दो साल के भीतर देश में तैयार होंगे स्वदेशी सुरक्षा उपक्रम के सेमीकंडक्टर

शैली भल्ला

आईआईटी कानपुर के फैकल्टी प्रो. रजत मूना के निर्देशन में होंगे तैयार, पहले बनेगी डीएल चिप

कानपुर। आईआईटी कानपुर की फैकल्टी और वर्तमान में आईआईटी गांधीनगर के निदेशक प्रो. रजत मूना के निर्देशन में दो साल के भीतर आईडी के लिए स्वदेशी सुरक्षित सेमीकंडक्टर तैयार किए जाएंगे। इसके लिए आईआईटी गांधीनगर ने सी-डैक, एलएंडटी सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी के साथ एमओयू साइन किया है। आईआईटी चिप की डिजाइन के लिए इन कंपनी को मेंटर करेगी। एलएंडटी सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन कर मैन्युफैक्चरिंग करेगी। सी-डैक चिप सॉफ्टवेयर पर काम करेगी।

देश सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के नाम पर लगभग शून्य है। अभी तक जो भी चिप आती है वह ताइवान, यूरोप, मलेशिया, चीन आदि से आती हैं। इसके लिए न केवल बड़ा बजट खर्च होता है बल्कि सुरक्षा पर सवाल उठते रहते हैं। सेमीकंडक्टर का इस्तेमाल अब हर जगह होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए अब स्वदेशी चिप बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

प्रो. रजत मूना ने अमर उजाला से बातचीत में बताया कि शुरुआत में पहचान पत्र जैसे डीएल, पासपोर्ट में लगने वाली चिप तैयार की जाएगी। इसके बाद बैंकिंग कार्ड, मोबाइल वॉलेट, हेल्थ कार्ड, आधार कार्ड तक में स्वदेशी चिप का इस्तेमाल होगा। यह चिप देश में डिजाइन होंगी और यहीं पर ही मैन्युफैक्चरिंग होगी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी चिप होने से सुरक्षित रहने के साथ इसका कंट्रोल भी देश के पास ही रहेगा। डिजिटल सुरक्षा के साथ तकनीक की आत्मनिर्भरता भी बढ़ेगी। डिजिटल सुरक्षा को लेकर शोध और रोजगार के अवसर को भी बढ़ावा मिलेगा।